Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

(Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

(Name) ____________________

Answer Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—9105

PAPER—II

PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   - (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬤ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   - (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬤ (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT

प्राकृत

PAPER-II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

टिप्पणी : इमम्मि पण्हपत्ते **पन्नासा** (50) बहु-विकप्पियाणि पण्हाणि संति। पत्तेगं पण्हं **दुवे** (2) अंकस्स अत्थि। **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि?

1. The work of Pravarasena is :
प्रवरसेन की रचना हैं –
(A) मृच्छकटिक (B) उवासगदसाओ (C) सेतुबन्ध (D) गउडवहो

2. Language of the Gahasattasai is -
गाहासत्तसई की भाषा हैं –
(A) महाराष्ट्री प्राकृत (B) शौरसेनी (C) मागधी (D) पैशाची

3. Author of Mrcchakatika is -
मृच्छकटिक के रचयिता है –
(A) भास (B) राजशेखर (C) हेमचन्द्र (D) शूद्रक

4. The Chronological order of these writers is -
कालक्रम की दृष्टि से इन रचनाकारों का क्रम है –
(A) कुन्दकुन्द, प्रवरसेन, राजशेखर, हेमचन्द्र (B) हेमचन्द्र, प्रवरसेन, कुन्दकुन्द, राजशेखर,
(C) राजशेखर, प्रवरसेन, हेमचन्द्र, कुन्दकुन्द (D) प्रवरसेन, कुन्दकुन्द, राजशेखर, हेमचन्द्र

5. Works of Hemachandra are -
हेमचन्द्र की कृतियाँ हैं –
(A) प्राकृत प्रकाश, पाइअलच्छीनाममाला, रयणावली।
(B) जिनदत्ताख्यान, नाणपंचमीकहा, धम्मरसायण।
(C) कुमारपालचरित, सिध्दहेमशब्दानुशासन, देशीनाममाला।
(D) गाहासत्तसई, वज्जालग्गं, सिरिविजयचंदकेवालिचरियं।

6. The example of 'लोपोऽरण्ये' is -
'लोपोऽरण्ये' का उदाहरण है –
(A) रण्णं (B) कण्णं (C) दण्णं (D) टण्णं

7. This is called the ārṣa prakrta:
आर्ष प्राकृत कही जाती हैं –
(A) अर्धमागाधी (B) पैशाची (C) अपभ्रंश (D) महाराष्ट्री

8. The time of Middle Indo Aryan languages is :
मध्य भारतीय आर्यभाषाओं का काल है –
(A) ई. पू. 600 से ईस्वी सन् 200 (B) ई. पू. 1200 से ईस्वी सन् 200
(C) ईस्वीसन् 700 से 1200 (D) ईस्वीसन् 400 से 9001

9. Script of Asoka's Girnar Edict is :
अशोक के गिरनार; शिलालेखों की लिपि है –
(A) ब्राह्मी (B) ग्रन्थ (C) खरोष्ठी (D) मलयालम

10. Main source of the modern North Indian languages is :
आधुनिक उत्तर भारतीय भाषाओं का मुख्य स्रोत है –
(A) वैदिक भाषा (B) पालि (C) अपभ्रंश (D) मलयालम

11. The translation of 'सो चउविहाइं कम्माइं णस्सइ' is -
'सो चउविहाइं कम्माइं णस्सइ' का अनुवाद है –
(A) वह चतुर्विहार कर्म करता है। (B) वह चार प्रकार के कर्मों का नाश करता है।
(C) वह चार प्रकार से नृत्य कर्म करती है। (D) वह चार दिन तक नशा करता है।

12. Gahasattasai is :
गाहासत्तसई है –
(A) महाकाव्य (B) मुक्तक काव्य (C) नाटक (D) शास्त्रीय ग्रन्थ

13. The language of Brhatkatha is:
बृहत्कथा की भाषा है –
(A) संस्कृत (B) पैशाची प्राकृत (C) मागधी (D) शौरसेनी

14. The language of Gaudavaho is :
गउडवहो की भाषा है –
(A) महाराष्ट्री प्राकृत (B) निय प्राकृत (C) पैशाची प्राकृत (D) अर्धमागधी

15. The author of Svapnavasavadatta is :
स्वप्नवासवदत्त के रचयिता है –
(A) शूद्रक (B) कालिदास (C) सौमिल्ल (D) भास

16. ईरिसिव्विअ गई सहि मा रुव्वसु तिरिअ वाहिअ मुहअन्दं।
बालवालुंकि तन्तुकुडिलाणं पेम्माणं॥
The meaning of the word balaiki in gatha is :
उक्त गाथा में बालुंकि शब्द का अर्थ है –
(A) ककड़ी (B) हृदय (C) शाक (D) रस्सी

17. This prakrita has been used in the dramas of mainly Bhasa :
में मुख्यत: इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है –
(A) मागधी (B) शौरसेनी (C) पैशाची (D) महाराष्ट्री

18. The work of KundaKunda is :
कुन्दकुन्द की रचना है –
(A) समयसार (B) उवासगदसाओ (C) गउडवहो (D) गाहासत्तसई

19. The script of the early Prakrit inscriptions is :
प्रारम्भिक प्राकृत अभिलेखों की लिपि है –
(A) ब्राह्मी (B) खरोष्ठी (C) गुप्त (D) कुटिक

20. The original language of the teachings of Vardhaman Mahaveera is :
वर्धमान महावीर के उपदेशों की मूल भाषा है –
(A) मागधी (B) महाराष्ट्री (C) पैशाची (D) अर्धमागधी

21. Karpuramanjari belongs to this literary trend:
कर्पूरमंजरी इस विधा का ग्रन्थ है –
(A) नाटक (B) नाटिका (C) प्रहसन (D) सट्टक

22. प्राकृत पैंगल is a work of this trend:
प्राकृत पैंगल इस विधा का ग्रन्थ है –
(A) छन्द:शास्त्र (B) कोष (C) व्याकरण (D) काव्यशास्त्र

23. The Prakrit form of पठ्यते is
पठ्यते का प्राकृत रुप है –
(A) पठिज्जइ (B) पठिस्सइ (C) पठिज्जेय्य (D) पठिस्सइ

24. The genetive singular form of the word दाम is :
दाम शब्द की षष्ठी एकवचन का रुप है –
(A) दामस्स (B) दामाण (C) दामेसु (D) दामेण

25. एषा णाणकमोशिका मकाशिका मच्छाशिका [लासिका।
णिण्णाशा कुलणाशिका अवशिका कामस्स [मंजूशिका।
एषा वेशवहू शुवेशणिलआ वेशंगणा [वेशिआ।
एशे शे दशणामके मयि कले अज्जावि [मं णेच्छदि॥
The Prakrita used in the above verse is :
उक्त पद्य में प्रयुक्त प्राकृत है –
(A) शौरसेनी (B) निया (C) पैशाची (D) अर्धमागधी

26. मिण्णकंश खंखणाए चांडालवाआए शलशंजोए जथा अ एशे उक्खालिदे वज्म्काडिंडिमशद्दे पउहाणं अ शुणीअदि, तथा तक्केमि दलिद्द चालुदत्ताके वज्झट्ठाणं णीआदि लि।
The above extract has been taken from this work:
उपर्युक्त उद्धरण इस ग्रन्थ से उध्दृत है –
(A) स्वप्नवासवदत्तम् (B) चारुदत्तम् (C) मृच्छकटिकम् (D) कर्पूरमंजरी

27. The edict of Kharavela has been written in this script:
रवारवेल का शिलालेख इस लिपि में लिखा गया है –
(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी (C) नागरी (D) शारदा

28. The Girnar edicts were inscribed by this Emperor :
गिरनार शिलालेख इस सम्राट् ने लिखवाये थे –
(A) चन्द्रगुप्त मौर्य (B) प्रभावती गुप्ता (C) अशोक (D) बिन्दुसार

29. The ablative form of the word कइ (कति) is :
कइ (कति) शब्द का पंचमी का रुप है –
(A) कइत्तो (B) कइ (C) कईसु (D) कइण्ह

30. This is an example of anaptyx :
यह स्वरभक्ति का उदाहरण है –
(A) पुलुवे (B) पुब्बे (C) सब्बे (D) अनन्ते

31. This is an example of assimilation :
यह समीकरण का उदाहरण है –
(A) दव्व (B) उच्च (C) रयण (D) भजन

32. The locative plural form of the word lacchi is :
लच्छी शब्द के सप्तमी बहुवचन का रूप है –
(A) लच्छीसुं (B) लच्छीअ (C) लच्छिं (D) लच्छीउ

33. The case-ending - suffix (sup) of instrumental case is -
तृतीया विभक्ति सुप् प्रत्यय यह है –
(A) टा मिस् (B) अम् शस् (C) सि जस् (D) ङसि भ्यस्

34. Bhagawati Sutra is also known as -
भगवतीसूत्र को इस नाम से भी जाना जाता है –
(A) विभाहपण्णत्ति (B) नन्दी सूत्र (C) आचाराङगसूत्र (D) अणुत्तरोववाइ

35. The nominative of the pronoun 'सव्व' in masculine gender is -
'सव्व' सर्वनाम शब्द की पुंलिङ्ग में प्रथमा विभक्ति यह है –
(A) सव्वे (B) सव्वंसि (C) सव्वेण (D) सव्वाणं

36. The instrumental plural form of the word 'vijju' is :
'विज्जु' के तृतीया बहुवचन का रुप है –
(A) विज्जूअ (B) विज्जूआ (C) विज्जूए (D) विज्जूहि

37. The compound in jidindiyo is :
'जिदिन्दियो' में समास है –
(A) समानाधिकरण बहुव्रीहि (B) तत्पुरुष
(C) व्याधिकरण बहुव्रीहि (D) कर्मधारय

38. The example of 'ta amornah' is
टा–आमोर्ण : का उदाहरण है –
(A) देव + टा = देवेण; देव + आम् = देवेण
(B) देव + सि = देवो; देव + आम् = दवं
(C) देव + ङस् = देवस्य; देव + जस् = देवानं
(D) देव + अम् = देवं; देव + सि = देवो

39. The root and the suffix division गण्हेत्वा of the word is :
गण्हेत्वा में प्रकृति–प्रत्यय विभाग इस प्रकार है –
(A) गुह + कत्वा (B) गण्ह + त्वा (C) गुण्ह + त्वा (D) ग्रह् + त्वा

40. The root and the suffix division in the जाणित्ता is as under :
जाणित्ता का प्रकृति – प्रत्यय विभाग इस प्रकार है –
(A) जाण + क्त्वा (B) ज्ञा + क्त्वा (C) जान + अनीयर् (D) ञाण + त्वा

41. The author of Dravyasangraha is :
द्रव्यसंग्रह के रचयिता है –
(A) नेमिचन्द्र (B) सिध्दसेन दिवाकर (C) कुन्दकुन्द (D) हेमचन्द्र

42. Title of the nineth chapter of "Uttaradhyayana Sutra" is -
उत्तराध्ययन के नवम् अध्ययन का नाम है –
(A) केशि – गौतमीय (B) राघव – पाण्डवीय (C) नमि – पवज्जा (D) चित्र – संभूतीय

43. Indicate the correct usage :
शुध्द प्रयोग को बतायें –
(A) गवाणं गोसुवा सामी (B) गोहि सेट्ठो सामी
(C) गां गा वा सामी (D) गो गोसुवा सामी

44. This is the example of 'अत: सेर्डो' -
यह 'अत: सेर्डो' का उदाहरण है –
(A) देव + सि = देवो (B) देव + अम् = देवं
(C) देव + टा = देवेण (D) देव + आण = देवाण

45. Bhagavan Mahaveer attained nirvana at :
भगवान् महावीर का निर्वाण यहाँ हुआ था –
(A) पावापुरी (B) चम्पा (C) कुसीनारा (D) गिरनार

46. The language of the Acaranga is:
आचाराङ्ग की भाषा है –
(A) शौरसेनी (B) महाराष्ट्री (C) पैशाची (D) अर्धमागधी

47. (i) अर्धमागधी में स् ध्वनि श् में परिवर्तित हो जाती है।
(ii) पालि में संयुक्तव्यंजन त्य् का च्च रूप हो जाता है।
(iii) महाराष्ट्री में र् ध्वनि ल् में परिवर्तित होती है।
(iv) पैशाची में क् ध्वनि घ् में परिवर्तित होती है।
This group belongs to the correct answer:
यह वर्ग सही उत्तर ..... को बताता है –
(A) (i), (ii) (B) (i), (iii) (C) (ii), (iv) (D) (i), (iv)

48. 'Satthaparinna' chapter belongs to this Agama -
'सत्थ परिण्णा' अध्ययन इस आगम का अध्याय है –
(A) समवायाङ्ग सूत्र (B) स्थानाङ्ग सूत्र (C) सूत्रकृताङ्ग सूत्र (D) आचाराङ्गसूत्र

49. The subject matter of Tiloyapaṇṇatti is :
तिलोयपण्णत्ति का वर्ण्य – विषय है –
(A) तीन लोकों का वर्णन (B) तीन जन्मों की कथा
(C) तीन व्यापारियों की कथा (D) तीन जैन तीर्थंकर

50. The author of Sanmati Sutra is :
सन्मति सूत्र के रचयिता हैं –
(A) हेमचन्द्र (B) सिध्दसेन दिवाकर (C) वट्टकेर (D) शिवार्य

- o O o -

Space For Rough Work